

### लविवि : 27 जुलाई से होंगी फाइन आर्ट्स की परीक्षाएं

विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को फाइन आर्ट्स की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। बैचलर आफ विज्ञाल आर्ट्स (चार वर्षीय) की परीक्षाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी, जबिक बैचलर आफ फाइन आदर्स (बीएफए) टेक्सटाइल डिजाइन चौथे वर्ष और डिप्लोमा इन आर्ट मास्टर ट्रेनिंग और मास्टर इन विजुअल आटर्स (एएमटी) अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 28 जुलाई से होंगी। परीक्षा



विश्वविद्यालय की वेबसाइट www. lkouniv.ac.in पर अपलोड किया नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया गया है। इन विषयों की परीक्षाएं एक-कि परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम एक घंटे की होंगी।

सुबह ८ से ९ बजे

#### ये है परीक्षा कार्यक्रम

वैचलर आफ विजुअल आर्ट्स		
तिथि	विषय	समय
27 जुलाई	हिस्ट्री आफ आर्ट	सुबह 8 से 9 बजे
27 जुलाई	फंडामेंटल्स आफ आर्ट एंड क्रिटिसिज्म आफ मास्टर पीसेज	सुबह 9 से 10 बजे
	~ 10	

27 जुलाई एडवरटाइजिंग थ्योरी सुबह 9 से 10 बजे वैचलर आफ फाइन आर्ट टेक्सटाइल डिजाइन विषय

28 जुलाई टेविनकल थ्योरी सुबह 8 से 9 बजे 28 जुलाई हिस्ट्री आफ विजुअल आर्ट एंड डिजाइन सुबह 9 से 10 बजे डिप्लोमा इन आर्ट मास्टर ट्रेनिंग (एएमटी) अंतिम वर्ष विषय

28 जुलाई टेविनकल ड्राइंग मास्टर इन विजुअल आर्ट

28 जुलाई फिलासफी आफ आर्ट (एफए, सीए, स्कल्पचर) सुबह 8 से 9 बजे 28 जुलाई थ्योरी मार्डन आर्ट (एफए, स्कल्पचर) सुबह 9 से 10 बजे 28 जुलाई टेविनकल थ्योरी (कमर्शियल आर्ट) सुबह 9 से 10 बजे

### डिप्लोमा इन फार्मेसी की 60 सीटों के लिए आवेदन शुरू

जासं, लखनऊः लखनऊ विवि ने रुपये तय किया गया है। आवेदन की (डीफार्मा) कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन शुरू हो गए। इंस्टीट्युट आफ फार्मेसी के तहत संचालित होने वाले इस कोर्स में कल 60 सीटों पर

सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और जनजाति के लिए यह शुल्क 500 पढ़ाई होगी।

केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत अंतिम तिथि 31 जुलाई है। आवेदक शुक्रवार से डिप्लोमा इन फार्मेसी आनलाइन आवेदन करने एवं संबंधित विषय का विस्तृत विवरण लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv.ac.in के admission page पर उपलब्ध कराया गया है। डीफार्मा दो साल का वार्षिक कोर्स लविवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश होगा। इसकी सालाना फीस 80 हजार श्रीवास्तव ने बताया कि आनलाइन रुपये होगी। आगामी सत्र से लविवि आवेदन के लिए फार्म का शुल्क में इंस्टीट्युट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की शुरुआत हो जाएगी। ईडब्लुएस के लिए एक हजार रुपये इसके तहत सेल्फ फाइनेंस मोड पर देना होगा। वहीं, अनुसूचित जाति, फार्मेसी (बीफार्मा) और डीफार्मा की

**AMRIT VICHAR PAGE 3** 

# लविवि: डीफार्मा में प्रवेश आवेदन शुरू युवाओं की मदद को भी बढ़े हाथ

फार्मेसी इंस्टीट्यूट के नए

निदेशक की तलाश तेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के

इंस्टीट्यूट फार्मास्युटिकल साइंस को

फार्मेसी काउंसिल से हरी झंडी मिलने

कवायदों को भी गति देने में लग गया

इंस्टीट्यूट के लिए नए निदेशक की

विज्ञापन जारी कर दिया है। जारी

विज्ञापन के अनुसार सेल्फ फाइनेंस

आवेदन मांगे गए हैं। योग्य अध्यर्थी

आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी

कार्यक्रम के लिए निदेशक पद के लिए

15 जुलाई तक इसके लिए ऑनलाइन

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट

पर कॅरियर मेनू में जाकर इसके बारे में

विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नियुक्ति की शुरू हुई है, जिसके लिए

के बाद विवि प्रशासन अब अन्य

है। इसी क्रम में पहली कवायद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ ने फार्मेसी विश्वविद्यालय काउंसिल द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी को हरी झंडी मिलने के बाद नए सत्र 2021-22 में प्रवेश की कवायद शुरू कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार विश्वविद्यालय की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत डिप्लोमा इन फार्मेसी (डीफार्मा) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

निर्धारित की गई हैं। ऑनलाइन आवेदन एवं इससे संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट Ikouniv.ac.in

की है। डीफार्मा में 60 सीटें

admission page पर उपलब्ध है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन फॉर्म का शुल्क सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्युएस के लिए 1000 रुपये, अनुस्चित जाति-जनजाति के लिए 500 रुपये हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

बता दें कि डीफार्मा की 60 सीटों के लिए लिविव प्रवेश खुद लेगा जबकि बीफार्मा के लिए प्रवेश एकेटीयू द्वारा आयोजित की जाने वाली संयुक्त काउंसिलिंग से होंगे।

### लविवि : रुचि के अनुसार चुनें कॅरियर, असफलता से डरें नहीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को 'मिशन रोजगार योजना' के तहत 'डीम बिग, कॅरियर प्रोस्पेक्ट विद बॉटनी' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कर्नाटक कैडर की 2003 बैच की आईएफएस अधिकारी डॉ. प्राची गंगवार ने युवाओं से कहा कि छात्रों को स्नातक से ही अपना उद्देश्य तय कर लेना चाहिए। उनको अपनी रुचि, उद्देश्य व स्वप्न के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए और अपना कॅरियर तय करने में इनका ध्यान रखना चाहिए।

वनस्पति विज्ञान विभाग और काउंसिलिंग एवं गाइडेंस सेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. गंगवार ने कहा कि असफलताओं से बिल्कुल भी नहीं डरे। आपकी रुचि जिस क्षेत्र में हो उसके लिए प्रयास करना चाहिए। सरकारी, गैर सरकारी एवं निजी उद्योग सभी क्षेत्र अच्छे हैं। वनस्पति विज्ञान से संबंधित कई संस्थाएं जैसे कृषि मंत्रालय, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान एंड प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में आप जा सकते हैं। छात्रों ने सिविल सेवा में विषय के चुनाव और रणनीतियों पर चर्चा की और सुझाव भी प्राप्त किए। कार्यक्रम का उद्घाटन वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक प्रसाद ने किया। प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने काउंसिलिंग एवं गाइडेंस सेल व कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल ने मुख्य अतिथि डॉ. प्राची गंगवार का परिचय दिया। कार्यक्रम में

### एमकॉम की छात्रा को उपमुख्यमंत्री ने लिया गोद

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना संक्रमण में अपने अभिभावकों को खोने वाले विद्यार्थियों को गोद लेकर उनकी पढ़ाई का पूरा खर्च वहन करने की पहल पिछले दिनों शुरू की गई। इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री व लविवि के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को एमकॉम की छात्रा सनिधि श्रीवास्तव तथा कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीबीए की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया। सुनिधि के पिता उमेश चंद्र श्रीवास्तव तथा दीक्षा के पिता दीपक अग्रवाल का कोरोना महामारी की चपेट में आने से निधन हो गया था।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कोविड संक्रमण की दूसरी लहर में काफी लोगों ने अपनों को खोया है। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी भी शामिल हैं। ऐसे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसे देखते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सभी विवि को यह निर्देशित किया था कि इन छात्रों की न सिर्फ आर्थिक जिम्मेदारी उठाई जाय बल्कि उनके सर्वांगीण व समेकित विकास में अपना योगदान किया जाय। इसी दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार ने



कोविड में अपने अभिभावकों को खो चुके ४७ विद्यार्थियों की पढाई का खर्च उठाएगा विवि

उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा गोद ली गई छात्रा सुनिधि श्रीवास्तव। वीसी ने बीबीए छात्रा दीक्षा का लिया जिम्मा।

शिक्षक ने खुद किया

विवि की छात्रा ज्योति यादव ने इस महामारी में अपने पिता को खोया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने उन्हें ईमेल के जरिये संपर्क किया और उनके दुख में भागीदार होते हुए उन्हें सहायता एवं सहयोग देने का वादा किया। ज्योति ने उन्हें धन्यवाद देते हुए यह कहा कि वो और उसका पूरा परिवार विवि परिवार का आभारी है। इस मुश्किल समय में विवि ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

से आवेदन मांगे। लगभग 47 विद्यार्थियों के माता या पिता या दोनों को खोने वाले पूर्व शिक्षक और 03 प्रशासनिक अधिकारियों आवेदन आए। कुलपित प्रो. आलोक कुमार विश्वविद्यालय के छात्रों की जिम्मेदारी लेने के ने ऐसे छात्रों की जिम्मेदारी उठाई है।

राय की पहल पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. लिए आगे आए। प्रो. राय ने बताया कि मात्र पनम टंडन ने 19 जन को विश्वविद्यालय के एक हफ्ते के अंदर सभी 47 छात्रों की सभी अध्यापकों, पूर्व अध्यापकों, प्रशासनिक जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, पूर्व अधिकारियों से एक पत्र के जरिये अपील भी शिक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने ले ली



**NBT PAGE 4** 

डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने भी लिया एक छात्रा का जिम्मा।

### एलयू के शिक्षकों-अफसरों ने 47 विद्यार्थियों को लिया गोद

■ एनबीटी, लखनऊ: एलयू के शिक्षक, पूर्व शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारियों ने कोरोना काल में माता-पिता को खोने वाले 47 विद्यार्थियों की पढ़ाई का पूरा जिम्मा उठाया है। उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने एमकॉम की छात्रा सुनिधि श्रीवास्तव और वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने वीवीए की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया है। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. पुनम टंडन ने वताया कि युनिवर्सिटी के 39 शिक्षक, छह पूर्व शिक्षक और तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की जिम्मेदारी उठाई है। विवि की वेवसाइट www.lkouniv.ac.in और डीएसडब्ल्यू के ट्विटर अकाउंट काफी तेजी से काम किया और ऐसे विद्यार्थियों की कि वे कोरोना महामारी के चलते अपने है। विश्वविद्यालय के कुल 39 शिक्षक, 06 पर फॉर्म मुहैया है। कोरोना से माता-पिता को खोने वाले विद्यार्थी इसे भर सकते हैं। अन्य का डेटा और डॉक्यूमेंट भी इकट्ठा किए जा रहे हैं।

**PIONEER PAGE 3** 

पीजी, पीएचडी के विद्यार्थियों ने शिरकत की। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 5

#### लखनऊ विवि के कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय और उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को दो छात्राओं की जिम्मेदारी ली। |उप मुख्यमत्रा, कुलपात दा छात्राओ का खच उटाएग

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों. पूर्व शिक्षकों एवं प्रशासनिक मधिकारियों ने एक हफ्ते में 47 छात्रों को गोद लिया। इन सभी ने अपने माता-पेता को कोरोना से खो दिया। इसी कड़ी शक्रवार को उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, कुलपति डा. आलोक कुमार राय ने भी एक-एक छात्रा को गोद लिया। डा. श्रीवास्तव तथा कुलपति प्रोफेसर

**RASHTRIYA SAHARA PAGE 5** 

आलोक कुमार राय ने बीबीए की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने यह नेर्देशित किया कि सिर्फ आर्थिक जिम्मेदारी उठाई जाए बल्कि उनके सर्वांगीण व समेकित विकास में अपना योगदान किया जाए।

कुल 39 शिक्षक, 6 पूर्व शिक्षक और 3 प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की जिम्मेदारी उठाई है। लाभान्वित छात्रों में से एक छात्रा ज्योति यादव हैं जिन्होंने अपने पिता को खोया। उन्होंने बताया कि विवि के प्रोफेसर ने उन्हें ईमेल से संपर्क

#### फार्मेसी में डिप्लोमा के आवेदन ३१ जुलाई तक एलयू ने केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के

अन्तर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में डिप्लोमा इन फॉर्मेसी में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शरू कर दी। बी-फार्मा और डी-फार्मा कोर्स के लिए 31 जुलाई तक आवेदन होंगे। आवेदन फार्म का शुल्क सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्लूएस के लिए 1000 एवं अनुसूचित जाति / जनजाति के लिए 500 होगा। ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट lkouniv.ac.in पर करें।

### डिप्टी सीएम सहित एलयू कुलपति व अन्य ने ४७ स्टूडेंट्स को लिया गोद शर्मा ने एमकॉम की छात्रा सुनिधि

 कोरोना के चलते अपने माता-पिता को खोने वाले छात्रों की ली जिम्मेदारी

गयनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राय सहित विवि के अन्य शिक्षकोंए

मुश्किलों से हर वक्त गुजर रहे हैं। लखनऊ विवि परिवार भी इससे

गोद लेने वाले शिक्षकों में विवि अपने माता.पिता को खोने वाले विवि

माता या पिता या दोनों को खोने वाले अछता नहीं रहा है। पिछले 1 साल में हिलए आगे बढ़े जो अपने भविष्य को

श्रीवास्तव के मताबिक मात्र 1 हफ्ते के टंडन ने विवि के सभी अध्यापकों, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं लखनऊ विवि के उनके सर्वांगीण व समेकित विकास में 1 साल में उभर कर आई है। इस अध्यापकों, प्रशासनिक अधिकारियों वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर दिनेश

की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया है। इसमे विवि के कुल 39 शिक्षक, 6 पूर्व शिक्षक और 3 प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की जिम्मेदारी उठाई है। लाभान्वित छात्रों में से एक छात्रा ज्योति यादव ने इस महामारी में अपने पिता को खोया। उन्होंने बताया कि विवि के प्रोफेसर ने विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश उनकी मुश्किल समय में विवि ने अंदर 47 छात्रों की जिम्मेदारी विवि के राज्यपाल एवं लखनऊ विवि की

श्रीवास्तव तथा विवि के कुलपति

प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बीबीए

### **VOICE OF LUCKNOW PAGE 3** डिप्लोमा इन फॉर्मेसी में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

### डिप्टीसीएम व कुलपित ने भी छात्रा को लिया गोद



सराहनीय कदम उठाया विश्वविद्यालय परिवार ने ऐसे 47 अधिष्ठाता प्रो. पुनम टंडन ने 19 छात्रों की सहायता के लिए आगे आया है. जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण माता अथवा पिता या दोनों को ही खोया हैं। उनकी पढाई से लेकर सर्वांगीण विकास तक पूरी मदद करेंगे। ऐसे छात्रों को विश्वविद्यालय परिवार के लोगों ने गोद लिया। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा व कलपति प्रो. आलोक राय ने भी जिम्मेदारी ली। इसी संदर्भ में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की प्रेरणा से

विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण

जून 2021 को विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकों, पूर्व अध्यापकों. प्रशासनिक अधिकारियों से एक पत्र के जरिए अपील की कि वे कोरोना महामारी के चलते अपने माता या पिता या दोनों को खोने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों की जिम्मेदारी लेने के लिए आगे बढे जो अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। मात्र एक हफ्ते के अंदर सभी 47 अधिकारियों ने छात्रों की जिम्मेदारी छात्रों की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय उठाई है। लाभान्वित छात्रों में से के शिक्षकों, पूर्व शिक्षकों और एक छात्रा ज्योति यादव है, ने इस प्रशासनिक अधिकारियों ने ले ली महामारी में अपने पिता को खोया।

है। इन छात्रों को गोद लेने वालों में स्वयं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और लखनक विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रो. दिनेश शर्मा जिन्होंने एम कॉम की छात्रा सुनिधि श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीबीए की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया। विश्वविद्यालय के कुल 39 शिक्षक, छह पूर्व शिक्षक और तीन प्रशासनिक



लखनऊ एसएनबी)। राज्यपाल एवं कलाधिपति श्रीमती आनंदीवेन पटेल के निर्देश के वाद कोरोना की वजह से अपने मां-वाप को खो चके करीव 47 लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रों की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, पूर्व शिक्षकों, एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने ले ली है। इन छात्रों को गोद लेने वालों में प्रदेश के उपमख्यमंत्री एवं लविवि के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर दिनेश शर्मा ने एम कॉम की छात्रा सुनिधि श्रीवास्तव तथा कुलपित प्रोफेसर आलोक कमार राय ने वीवीए की छात्रा दीक्षा अग्रवाल को गोद लिया। विश्वविद्यालय के कल 39 शिक्षक, 6 पूर्व शिक्षक और 3 प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की जिम्मेदारी उठाई है।

#### वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ

विश्वविद्यालय में फॉर्मेंसी की पढाई करने के लिए एक कदम और आगे बढ़ा दिया गया है। विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ फामेसीं में डिप्लोमा इन फॉर्मेसी पाठ्यक्रम में नए सत्र 2021.22 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अब विश्वविद्यालय में बी.फार्मा और डी.फार्मा कोर्स के लिए 31 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन फार्म का शलक सामान्य अन्य पिछडा वर्ग ईंडब्ल्एस के लिए 1000 रुपये एवं अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए 500 रुपए होगा।ऑनलाइन आवेदन लखनऊ विश्वविद्यालय वेबसाइट पर किया जा सकता है।

 इंस्टीट्यूटऑफ फॉर्मेसी में डिप्लोमा इन फॉमेर्सी पाठ्यक्रम के लिएमांगे आवेदन

🗣 २५ जून से ३१ जुलाई तक किये जा सकेंगे आवेदन

हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय ने फामाकीलॉजी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज की पढ़ाई भी प्रदेश के छात्रों को उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। जिसके लिए फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली में विश्वविद्यालय ने आवेदन किया था। जिसकी मंजूरी भी मिल गई थी। विश्वविद्यालय ने काउँसिल को यह अंडरटेकिंग दिया था कि फामेसीं काउंसिल ऑफ इंडिया के परीक्षण से पहले विश्वविद्यालय फामाकीलॉजी के पाठ्यक्रम में जरूरी इंफ्रास्ट्रकर, इक्विपमेंट एवं शिक्षकों की भर्ती का समस्त काम पुरा कर लिया जाएगा। संस्थान में दो स्व.वित्तीय पाठ्यक्रम . 100 सीटों के साथ फॉर्मेंसी,बीफार्मा में स्नातक और 60 सीटों के साथ फॉर्मेंसी में डिप्लोमा, डीफार्मा का कोर्स किया जा सकता है। जल्द विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेंसी का अपना भवन तैयार हो जाएगा। इस दिशा में भी तेजी से काम किया जा रहा है।

#### SWATANTRA BHARAT PAGE 5

### उप मुख्यमंत्री ने छात्रा को लिया गोद

में अपने माता-पिता को खोने वाले छात्र-छात्राओं के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की अपील रंग लाई है। अब तक 48 विद्यार्थियों को गोद लेकर उनकी जिम्मेदारी उठाने के लिए 39 शिक्षक, छह पूर्व शिक्षक व तीन

इन छात्रों को गोद लेने वालों में उप मुख्यमंत्री एवं देने का वादा किया ज्योति ने सोशल मीडिया पर उन्हें लिविव के कामर्स विभाग के शिक्षक डा. दिनेश शर्मा, धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय की छात्र विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय भी कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर पूनम टंडन ने 19 जून के ने बताया कि उप मुख्यमंत्री ने एमकाम की छात्रा सुनिधि प्रशासनिक अधिकारियों से एक पत्र के जरिए अपील की थी कि वे कोरोना महामारी के चलते अपने माता या पिता अग्रवाल को गोद लिया है। लाभांवित छत्रों में से एक या दोनों को खोने वाले विश्वविद्यालय के छत्रों की

को खोया। ज्योति को

प्रोफेसर ने ई-मेल के

जरिए संपर्क किया

और उनके दुख में

भागीदार होते हुए उन्हें

विश्वविद्यालय

**HINDUSTAN TIMES PAGE 5** 

# Dy CM Sharma adopts LU student

**LUCKNOW:** Deputy chief minis-University administration to support education of those who lost their parents during the pan-

staff of the university to adopt

Earlier, the VC adopted a

## **Guardian angels: DyCM, LU** VC adopt orphaned students

शामिल हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकों, पूर्व अध्यापकों श्रीवास्तव तथा कलपति ने बीबीए की छात्रा दीक्षा छात्रा ज्योति यादव है, जिसने इस महामारी में अपने पिता जिम्मेदारी लेने के लिए आगे आएं

# who lost her father to Covid

ter Dinesh Sharma on Friday adopted a Lucknow University's female student who lost her father to Covid recently. The deputy CM promised to bear all educational expenses of the student who is pursuing her mas-

This came as a part of the initiative started by the Lucknow

"A total of 47 LU students lost either one or both their parents in the pandemic. Vice chancellor prof Alok Kumar Rai has appealed to the teachers and

female student, who is pursuing her bachelor course, who lost her father during the pandemic Governor Anandiben Patel has appealed to the administration of all state universities to adopt students who lost their such children to bear their eduparents to Covid.

cational expenses," said LU

spokesman Durgesh Srivastav.

### Aryabhatta, Brahmagupta to be part of LU science course Now, undergrads to acquire

will learn about how a number of scientific concepts taught today were given by Indian mathematicians, botanists, physicists and astro-

nomers centuries ago. The nine science departments are busy drafting a curriculum for the four-year undergraduate course that is a mix of modern and traditional concepts. The physics department has already finalized the syllabus that offers knowledge of both modern and ancient scientific concepts.

"In the first year of the UG course, we have introduced a section that will completely be devoted to ancient Indian scientists like Baudhayan, Aryabhatta, Brahmagupta, Bhaskaracharya and ancient texts and geometry. It is for the first time in physics that we will teach about them. The aim is to make students feel proud of their country and let the world know about our glorious past through our students," said head of the physics de-

# vocational skills in varsity

the Lucknow University en- ar UG course after one year rit, Jyoti Vigyan, Persian and others will get an opportunity to learn vocational skills like mushroom cultivation and hotel management. The arts faculty is preparing a list of vocational courses which offer greater employa-"Our Sanskrit, French,

Persian, Arabic and other language students will also have an option to learn skills like mushroom cultivation, hotel management and acu-

partment and dean student

welfare Prof Poonam Tan-

She also mentioned some posed to be taught at UG lerules to calculate the motion of various planets, the moon and the orbits of various ast-

magnum opus and the only

known surviving work of

of the ancient concepts proinclude Surya Siddhanta, which describes

optics, computer simulation, plasma and space science, which offer high employability, Tandon said. "We have introduced this in the first year of the course so that even if a UG student leaves a course after taking a ronomical bodies and Aryabhatiyam, a Sanskrit astrocertificate, he or she has both modern and traditional nomical treatise which is the

matician Aryabhatta.

These will be taught

scientific knowledge," she

# Lucknow: Now, students of even if they leave the four-ve

spokesperson Durgesh Srivastava.

He said the list of voca-

TIMES NEWS NETWORK tion courses will include hitech courses on the operating systems, internet technolo-Lucknow: At least 47 stugy, web design, philosophical dents of Lucknow University counselling, remote sensing who lost their parents or the and others. A course on Karonly earning member of their makand will be offered by the family due to Covid-19 have Prachya Sanskrit department, which will provide a got a helping hand from teaproper scriptural account of chers and alumni, including how to perform rites and rideputy chief minister Dinesh tuals in various 'sanskars'. Sharma, and vice-chancellor Prof AK Rai. 5th-century Indian mathe-

alumni and former teachers, along with modern concepts and three administrative offilike nanotechnology, fibre cers have decided to 'adopt' such students and support them financially to complete their studies. Deputy CM Dinesh Sharma, who is also the state education minister and a faculty

Teachers Too

Extend Help

To 47 Orphans

As many as 39 teachers, six

in commerce department, has

taken responsibility of

MCom student, Sunidhi Sri-

vastava, who lost her father to



in such adverse circumstan-

"The government is bo-

und to work for people, but at times, collective efforts help in bringing about a positive change in the society," said LU VC Prof AK Rai said,

"We have drawn a list of 47 needy students and are loo-

king for more. Several teachers, former teachers and alumni have come forward to help students. In professional "As a family, we have come forcourses, like engineering, ward to help students. I have where the fee is high, some teachers have collectively taken taken the responsibility of a BBA student, Diksha Agarthe responsibility of stuwal. I feel people should come dents," said dean, student welforward to support each other fare, Prof Poonam Tandon.

# my studies

tional setback, it was a financial one too.

ning member of

the family, Su-

nidhi began looking for a part-time job to continue her studies, with fee of Rs 15,000 per semester. Now, LU's initiative has come to her

#### can continue' Lucknow: When MCom student Sunidhi Srivastava lost her father, along with the emo-

'Grateful that

Similarly, BBA student Deeksha Agarwal, whose expenses will be taken care of by the vice-chancellor, said, "My father suffered a heart attack after Covid on April 16. Paying Rs 40,000 per semester was not possible for my mother. Help from VC sir is a big relief for

### As he was the only ear-

us," she said.